

महासागर (Ocean)

महासागर पृथ्वी के लगभग 71% भाग पर फैले हुए हैं। विश्व के महासागरों का क्षेत्रफल 357 मिलियन वर्ग किमी है। जहाँ मंगल ग्रह के क्षेत्रफल का दुना तथा चंद्र के क्षेत्रफल का नौ गुना है। विश्व का लगभग 98% जल सागरों में लगभग 2% नदियों, झीलों, झरने तथा मिट्टी में है। जल की बहुतायत मात्रा के कारण पृथ्वी को जल ग्रह कहा जाता है। यदि पृथ्वी के अभाव में सागरों में डालकर समतल कर दिया जाए तो पूरी पृथ्वी पर सागरों की गहराई लगभग 2.25 km होगी। जल के कारण ही पृथ्वी पर जीवन संभव है। प्रकार: पृथ्वी के 70.8% भाग पर महासागर एवं सागर फैले हुए हैं। विश्व में 5 महासागर हैं जिनमें से एक प्रकार है।

1. Pacific Ocean (पश्चिम महासागर)
2. Atlantic Ocean (अटलांटिक महासागर)
3. Indian Ocean (हिन्द महासागर)
4. Arctic Ocean (आर्कटिक महासागर)
5. Southern Ocean (दक्षिण महासागर)

महासागरों के अधिकतर तल पाद में बने हुए हैं, जिनकी आयु 8 करोड़ वर्ष से कम है। यूरेशिया तथा अफ्रीका प्लेटों के एक दूसरे के निकट आने तथा टकराने से सागरों के महाद्वीपीय तथा महासागरों का स्वरूप बना।

1. प्रशांत महासागर

प्रशांत महासागर विश्व का सबसे बड़ा तथा सबसे गहरा समुद्र है। कुलनात्मक भौतिक तथा भौगोलिक अध्ययन से पता चलता है कि इस महासागर में पृथ्वी का भाग कम तथा जलिय क्षेत्र अधिक है। सर्वप्रथम पेटर ल्युक महीदय ने इसके बारे में पता लगाना प्रारंभ किया। द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने पर ल्युक शब्द ने निम्न क्षेत्रों की ओर अब भी जारी है। इसका क्षेत्रफल 6,36,34,000 वर्ग मील अर्थात् अटलांटिक महासागर के दो गुने से भी अधिक है। यह फिलीपींस से लेकर पनामा 9,455 मील चौड़ा तथा वेरिंग जलसंधि से लेकर अटलांटिक (दक्षिण) तक प्रशांत महासागर का धरातल प्रायः समतल है। पूर्वी भाग द्वीप रहित तथा अमेरिका के उपांत भाग में है। इसका अधिकतर भाग 18,000 फुट गहरा है। इसका अधिकतर गहराई कम 13000 फुट है जिसे एल्बार्ड्रास पठार कहते हैं, दक्षिणी अमेरिका के पश्चिमी भाग में स्थित है। इस चक्र की अन्य शाखाएँ सुत्र की ओर स्थित तथा पश्चिम में कुमाञ्ची द्वीप समूह मारकेसस द्वीप तथा दक्षिण में अटलांटिक तक फैली है। इस सागर की लंबाई मुख्यतया पश्चिम में कई बड़ी-बड़ी लम्बी खाइयों से भरी पड़ी है। कुछ महत्वपूर्ण खाइयों के नामः

मरियाना ट्रेंच व टैलीगरीरा (Tuscarora) -

32,644 फुट

नेरो (Nero) - 32,107 फुट

एलिड्रिच (Aldrich) - 30,930 फुट

अल्यूशियन (Aleutian) - 25,194 फुट

प्रशांत महासागर का वह भाग जो कर्क रेखा तथा मकर रेखा के मध्य में है, मध्य प्रशांत महासागर कहा जाता है। कर्क के उत्तरी क्षेत्रों की उत्तरी प्रशांत तथा मकर के दक्षिण स्थित भाग को दक्षिणी प्रशांत महासागर कहा जाता है।

अन्तरराष्ट्रीय जल सर्वेक्षण संगठन (International Hydrographic Organization)

द्वारा इसे दो भागों में विभक्त करने के लिए मध्य रेखा का सहारा लिया गया है। 1500 पं.द. पूर्वी प्रशांत के उन्हीं भागों के लिए प्रयुक्त होता है जो मध्य रेखा के दक्षिण में है। इसकी खोज डच नौसेना के कप्तान विलहेम एडम ने की तथा इसने प्रशांत महासागर को पनामा नामक स्थान पर दक्षिणी सागर नाम दिया।

प्रशांत महासागर के उत्तर पूर्व एवं पश्चिम से होता हुआ भूपटल का सबसे कम गहिरा भाग गुम्फरता है। इसके कारण यहाँ पर अधिकतर भूकम्प एवं ज्वालामुखियों के उद्गार के बिंदु हैं।

अभी की यहाँ 3000 है ज्वालामुखी पर्वत है जिनमें से निरंतर उदगार हुआ करते हैं। इस महासागर में छिटके द्वीपों का उद्भव प्रवालवलय, ज्वालामुखी अथवा भूकम्प के द्वारा हुआ है।

प्रशांत महासागर के तथ्य -

- * प्रशांत महासागर एशिया और ऑस्ट्रेलिया की अमेरिका से अलग करता है।
- * प्रशांत महासागर में अग्नि वलय बेलन में विश्व के 75% सक्रिय ज्वालामुखी हैं।
- * प्रशांत महासागर के पश्चिम किनारे पर जापान, फिलीपींस, हिनेशिया आदि मिलाकर 700 द्वीप हैं।
- * प्रशांत महासागर की लीमा पर 85 देश मौजूद हैं (अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, चीन, जापान)
- * विश्व की 70% मछलियाँ इसी महासागर में पाई जाती हैं।
- * पृथ्वी पर स्थित महासागर के जल का 50% जल प्रशांत महासागर में है।
- * प्रशांत महासागर की पार करके निकलने वाला पहला इंसान था कि 100 km लंबे महासागर की तैर कर पार कर लिया। फ्रांस के तैराक "बेन लेगीस" ने 5 जून की जापान के पूर्वी तट से प्रशांत महासागर में बत्तांग लगाई।

2. अटलांटिक महासागर

अंध महासागर या अटलांटिक महासागर

उस विशाल जलराशि का नाम है प्सी
 थूरीप तथा अफ्रीका महाद्वीपों की नई दुनियाँ
 के महाद्वीपों से प्रथक करती है। क्षेत्रफल
 और विस्तार में दुनियाँ का दूसरे नम्बर
 का महासागर है प्सीसने पृथ्वी का 1/5
 क्षेत्र घेर इस महासागर का नाम ग्रीक
 संस्कृति से लिया गया है प्सीसने इसे नक्षी
 का समुद्र बोला जाता है। इस महासागर
 का आकार लगभग अंग्रेजी अक्षर 8
 के समान है। लम्बाई की अपेक्षा इसकी
 चौड़ाई अत्यधिक कम है।
 आर्कटिक सागर की वैरिंग जलमाला
 से उत्तरी ध्रुव होता हुआ हिपटलवर्जेन
 और ग्रीन लैंड तक फैला है।
 इसकी लम्बाई 12810 मील है। दक्षिण
 में ब्राजिलिया के दक्षिण में स्थित वेडल
 सागर भी इसी का अंग है। इस सागर
 की काला शीर महासागर भी कहते हैं।
 * यह महासागर पृथ्वी की 20 फीसदी
 लंबाई पर फैला हुआ है। और प्रशांत
 महासागर के बाद दूसरा सबसे बड़ा
 महासागर है।
 * द्वीप समूह - अर्जेन्टाइर द्वीप, गफ द्वीप,
 कुवेत द्वीप

3. हिन्द महासागर

यह दुनियाँ का तीसरा सबसे बड़ा समुद्र
 है और पृथ्वी की लंबाई पर उपस्थित
 पानी का लगभग 20% भाग इसमें

समाहित है। उत्तर में यह भारतीय
उपमहाद्वीप से पश्चिम में पूर्व अफ्रीका,
पूर्व में हिन्द चीन। सुंदा द्वीप समूह
और आस्ट्रेलिया तथा दक्षिण में दक्षिण
ध्रुवीय महासागर से घिरा है। हिन्द
महासागर के प्रमुख द्वीप
(i) मेडागास्कर (विश्व का चौथा सबसे बड़ा द्वीप है)

- (ii) रीयूनियन द्वीप (फ्रांस का द्वीप है)
- (iii) कोमोरोस (अफ्रीका का द्वीप है)
- (iv) जेरीलस (115 द्वीप समूह राष्ट्र)
- (v) मालदीव (डोडी पक्षी यही विलुप्त हुआ है)
- (vi) मॉरीशस (26 प्रवाल द्वीपों की एक वीटरीयन)
- (vii) श्रीलंका का (आधिकारिक नाम श्रीलंका
समाजवादी जनतान्त्रिक गणराज्य)
- (viii) इंडोनेशिया (विश्व का सर्वाधिक द्वीप समूह)

Note :- इसकी आकृति विकृत M की
रूप में है।

यह तीन और से विभक्त महासागर है।
इसकी सीमाओं पर प्राचीन पठारी भूखंड है।
1960-1965 के मध्य TIDE के फलस्वरूप
इस महासागर की पानी को लंबे समय में ---

4. आर्कटिक महासागर

पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध में स्थित ध्रुवीय
महासागर या आर्कटिक महासागर जिसका
विस्तार अधिकतर आर्कटिक उत्तर ध्रुवीय
क्षेत्र में है। यह दुनियाँ का सबसे

द्वीप और उथला महासागर है।
अंतरराष्ट्रीय जल सर्वेक्षण संगठन (IUPC)
इसकी महासागर स्वीकार करता है।
यह पूरी तरह से यूरेशिया और उत्तरी
अमेरिका से घिरा आशिया जल से घिरा
भर में समुद्री बर्फ ढंकी रहती है।

5. दक्षिण महासागर

इसे अंटार्कटिक महासागर या आर्कटिक महासागर के रूप में भी जाना जाता है।
यह महासागर अंटार्कटिका महाद्वीप की घेरा हुआ है।

International Hydrographic Organization (IHO) के कामोडीर जॉन लीच के अनुसार दक्षिणी महासागर शब्द का उपयोग किया।

ONE LINER OCEAN

- * मेरी कल्वर में किलाका उत्पादन किया जाता है। - समुद्री जिन
- * यह सागर की महासागरीय मलमूत्र के रूप में अभिहित किया जाता है। - सार गैली सागर
- * क्या महासागरीय जल धाराएँ समुद्री जल को लाफ करती हैं - हाँ

- * बैरिंग केनियन की लम्बाई - 400 km.
- * ज्वार खाटा की उत्पत्ति से संबंधित
- * लांजुलन लिहदांत किसने दिया - सर न्यूटन
- * ज्वार खाटा से की उत्पत्ति से संबंधित
- * गतिक लिहदांत का प्रतिपादन - माप्लाडुग
- * ज्वार खाटा का स्थैतिक वरिण लिहदांत की प्रतिपादक - आर. ए. हैरिस
- * चीन का अल संयोग मलेशिया तथा सुमात्रा की स्पर्श करता हुआ जावालागर तथा वेगान्त की ट्वाड़ी की पीड़ा है।
- * मलाका अल संयोग
- * जिंघ्रान्टर अल संधि - मूमध्य सागर और अंध महासागर
- * हम्बोल्ट धारा किस तट के पास बहती है - एशिया के पूर्वी तट के पास
- * समुद्र की गर्म धाराएँ किस ओर बहती है - ध्रुवी की ओर
- * विश्व की सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति - ग्रेट बैरियर रीफ (ऑस्ट्रेलिया)